ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-16 नवम्बर-II, 2016 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

नशा मुक्ति जन जागृति अभियान राष्ट्रीय स्तर पर

► 'ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन टोबैको अवेयरनेस' ► सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों सहित छः सौ लोगों ने लिया भाग

सम्मेलन के दौरान नशे से मुक्ति की प्रतिज्ञा करते हुए ब्र.कु. आशा, दत्तात्रय पदसालगिकर, मधु, डॉ. दीपक, डॉ. एल. स्वस्थीचरण, राजन वेलुकर, डॉ. सचिन परब, ब्र.कु. निहा तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ सभा में उपस्थित शहर के विशिष्ट जन।

मुम्बई-गामदेवी। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन टोबैको अवेयरनेस' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न स्तर के लोगों, स्कूली छात्रों, कॉलेज छात्रों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों एवं चिकित्सा क्षेत्र के वरिष्ठों सहित छः सौ लोगों ने भाग लिया।

अतिथियों ने कहा...

'प्रतिबंधित वस्तुओं का गैर कानूनी तरीके से शैक्षणिक संस्थाओं तक पहुँचाना रोका जाए। तम्बाकू की रोकथाम के लिए अंतरात्मा की आवाज़ को सुनना चाहिए' - **दत्तात्रय पदसालगिकर,कमिश्नर ऑफ पुलिस।**

डॉ. अशोक मेहता,प्रसिद्ध ओंकोलॉजी सर्जन ने कहा कि कुछ समय पहले तक चालीस से पचास वर्ष तक की आयु वाले व्यक्तियों में तनाव देखा जाता था, परंतु अब बीस से तीस वर्ष वाले व्यक्तियों में भी तनाव का स्तर काफी बढ़ गया है। राजयोग के माध्यम से दु:ख से मुक्त होने के लिए और खुशी पाने के लिए हम अपने अंदर में झाँक कर देखें, मन बुद्धि पर पूरा कंट्रोल हो, राइट साइड के ब्रेन से संबंधित एक्टिविटी ज़्यादा करें ताकि हम खुश रहें।

'एक व्यक्ति को अपने करीबियों व परिवार जनों को किसी भी रूप में क्षति पहुँचाने के बजाय खुद में ये हिम्मत रखनी चाहिए कि वे उनसे प्यार, करुणा व सहयोग प्राप्त कर सकें' - **मधु, प्रसिद्ध फिल्म एक्ट्रेस एंड सोशल एक्टिविस्ट, एंटी टोबैको कैम्पेन।**

'सोच को बदलो स्वयं बदल जाओगे'।

- डॉ. दीपक,कूपर हॉस्पिटल।

'नशा शुरु न करने और नशे से मुक्ति के लिए जागरुकता इस नशा मुक्ति अभियान में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इस लत से दूर करने के लिए एक-एक को जागरुक बनाना अति आवश्यक है' - **डॉ. एल. स्वस्थीचरण, चीफ मेडिकल ऑफिसर, डायरेक्टर जेनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज़,मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर,भारत सरकार।**

'मुझे मेरे जीवन में पढ़ाई, शिक्षा और कर्म करना था, इसलिए मुझे अन्य कोई नशे की ज़रूरत नहीं पड़ी। नशे से मुक्ति के लिए आंतरिक प्रेरणा ही सबसे महत्वपूर्ण हथियार है' - **राजन वेलुकर,पूर्व वाइस चांसलर,यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई एंड प्रो वोस्ट,सोमैया एज्युकेशनल इंस्टीट्यूशन।**

' हमारी पहली प्राथमिकता है स्कूल तथा कॉलेज के विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा के तहत हर तरह के नशे के बारे में जागरुक करना। यही जी.आई.टी.ए. का मुख्य उद्देश्य है' - **डॉ. सचिन परब, प्रोजेक्ट डायरेक्टर,जी.आई.टी.ए.।**

'नशा तब विदा लेगा जब नशा करने वालों से प्यार करना सीखें' - **डॉ. बनारसी शाह,चेयरपर्सन,मेडिकल विंग**

- प्रतिबन्धित वस्तुओं पर जन जागृति अति आवश्यक
- पिछले 20 वर्षों से तनाव का स्तर बढ़ा है
- आध्यात्मिकता द्वारा सोच को बदलने से हम बदल जाएंगे
- नशे से मुक्ति के लिए आंतरिक प्रेरणा ज़रूरी है
- राजयोग मेडिटेशन एक अचूक कारगर दवा साबित हो सकता है

'इच्छाशक्ति के द्वारा ही व्यक्ति अपनी बुद्धि को परिवर्तित कर अपने भीतर ही सच्ची खुशी की अनुभूति कर सकता है। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन से होने वाले कई लाभ से भी सभी को अवगत कराते हुए बताया कि राजयोग हमारी आत्मा को हर रूप में भरपूर करने में अहम भूमिका अदा करता है तथा नशे के विरूद्ध युद्ध में हमें दिव्य शक्तियाँ प्रदान करता है'- **ब्र.कु. निहा,क्षेत्रीय निदेशिका,गामदेवी,मुम्बई।**

पैनल डिस्कशन में किसने क्या कहा :

'युवा चिंगारी और चिकनी मिट्टी की तरह है, चिंगारी को प्रज्वलन की आवश्यकता नहीं और मिट्टी को किसी भी तरीके से ढ़ाला जा सकता है' - **डॉ. मनाली लोंढ़े,पूर्व डायरेक्टर,स्टूडेंट्स वेलफेयर डिपार्टमेंट,यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई।**

डॉ. सुभांगी पारकर,प्रो.एंड हेड,डिपार्टमेंट ऑफ साइकेट्री, के.ई.एम. हॉस्पिटल,मुम्बई ने कहा कि नशे से मुक्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आध्यात्मिकता ही अदा करती है।

दीपक पाटील,डिप्युटी कमिश्नर ऑफ पुलिस,लॉ इनफोर्समेंट ब्रान्च,महा. ने सभी को अपना कॉन्टेक्ट डीटेल्स देते हुए कहा कि कोई भी बात हो तो हमें सूचना देना, एक्शन हम लेंगे।

डॉ. राजकुमार कोल्हे,प्रेसीडेंट एंड सी.एम.डी.,जे.एम.एफ.ट्रस्ट, डायरेक्टर,जन गण मन स्कूल ने एक मुहावरे से अपनी बात कही - उड़ता पंजाब, जागती मुम्बई, सोती दिल्ली।

क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे तथा मराठी फिल्म एक्टर **सिद्धार्थ जाधव** ने सम्मेलन में विडियो क्लिप के द्वारा मर्मस्पर्शी संदेश सभी को दिया।

ब्र.कु. आशा ने सभी का स्वागत किया और पिछले 2 वर्षों में नशा मुक्ति के तहत हुए कार्यक्रमों से सभी को अवगत कराया।

इफेक्टिव इम्प्लीमेंटेशन ऑफ सिगरेट एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट्स एक्ट्स विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान **डॉ. शर्मिला पिम्पल,प्रो.,डिपार्टमेंट ऑफ प्रेवेंटिव ओंकोलॉजी,टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, डॉ. पूजा,डायरेक्टर, डिपार्टमेंट ऑफ नॉन कम्युनिकेबल डिज़ीज़ सेल,डी.एच.एस., महा. सरकार तथा प्रवीण पाटील,डी.सी.पी., इनफोर्समेंट,मुम्बई पुलिस** ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों तथा बनायी गई योजनाओं तथा कानूनों से सभी को अवगत कराया।